फ़रवरी,2024 / भाग-1 /अंक 14

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

मासिक पत्रिका

अनुक्रमणिका

1. क्राफ्ट बाजार.....02

2. जेडीसी मेम्बेर्स के साथ निफ्ट निदेशक जी के साथ चर्चा.....03

3. चिरिपाल मेम्बेर्स के साथ निफ्ट निदेशक जी के साथ चर्चा.....04

4. निफ्ट निदेशक जी का लेख प्रकाशन.....05

5. निफ्ट गांधीनगर में खेल और साहित्यिक क्लबों के लिए साक्षात्कार 07

6. चरखा प्रशिक्षण शिविर.....08

7. भारत टेक्स 2024 कार्यक्रम.....09

8. निफ्ट का विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन 12

9. सीएनबीसी टीवी 18 द्वारा कवर की गई एक व्यावहारिक पैनल चर्चा.....14

क्राफ्ट बाजार

निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. डॉ. समीर सूद के दूरदर्शी नेतृत्व में, एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई क्योंकि हमने एक जीवंत क्राफ्ट बाजार की व्यवस्था की। हमारा लक्ष्य गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के कारीगरों को सार्थक बाजार समर्थन देना है।इस समृद्ध कार्यक्रम का उद्घाटन श्री ललित नारायण सिंह संधू, आईएएस, की विशिष्ट उपस्थिति में हुआ, जो वर्तमान में गरवी गुर्जरी के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. समीर सूद और श्री ललित नारायण सिंह संधू, आईएएस, ने प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर लिया। व्यावहारिक बातचीत के माध्यम से, उन्होंने इन कारीगरों की अनूठी जरूरतों और आकांक्षाओं का पता लगाया, जिसका उद्देश्य एक संपन्न नेटवर्क और पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन और पोषण करना है। यह सहयोगी प्रयास स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने और उनके समुदायों के भीतर सतत विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हमारे साथ बने रहें क्योंकि हम कारीगरों के कारण का समर्थन करना जारी रखते हैं और हमारी सांस्कृतिक विरासत में उनके अमूल्य योगदान का जश्न मनाते हैं।

जेडीसी मेम्बेर्स के साथ निफ्ट निदेशक जी के साथ चर्चा

सुश्री सृष्टि शर्मा ने निफ्ट के जेडीसी का योगदानकर्ता सदस्य बनने के प्रस्ताव को वास्तविक उत्साह के साथ पूरा किया। उन्होंने प्रो डॉ. समीर सूद को शामिल करने का भी प्रस्ताव रखा। निदेशक, निफ्ट गांधीनगर, जेडीसी के बोर्ड सदस्य के रूप में, जो निस्संदेह संस्थानों के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ाएगा।
इसके अलावा, सुश्री शर्मा ने निफ्ट में एक विजिटिंग फैकल्टी सदस्य के रूप में अपनी विशेषज्ञता साझा करने की पेशकश की, जिससे हमारे आभूषण डिजाइन छात्रों को अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। निदेशक निफ्ट गांधीनगर ने उन्हें दिल्ली में आगामी भारत टेक्स 2024 कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया, जहां निफ्ट गर्व से एक अकादमिक भागीदार के रूप में कार्य करता है। कुल मिलाकर, सुश्री सृष्टि शर्मा के साथ बैठक अविश्वसनीय रूप से उत्पादक थी, जिसमें संभावित सहयोग के लिए आधार तैयार किया गया जो निफ्ट गांधीनगर और ज्वैलरी डिजाइनर काउंसिल ऑफ इंडिया के लिए आपसी विकास और संवर्धन का वादा करता है।

चिरिपाल मेम्बेर्स के साथ निफ्ट निदेशक जी के साथ चर्चा

विशाल फैब्रिक्स, नंदन डेनिम लिमिटेड, नंदन टेरी, व्रज इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क लिमिटेड, चिरिपाल इंडस्ट्रीज (फैब्रिक डिवीजन), चिरिपाल इंडस्ट्रीज, सीआईएल नोवा पेट्रोकेमिकल्स, चिरिपाल पॉली फिल्म्स लिमिटेड और शांति एजुकेशनल इनिशिएटिव्स लिमिटेड जैसी चिरिपाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक श्री विशाल चिरिपाल ने हाल ही में निफ्ट गांधीनगर कैंपस का शिष्टाचार दौरा किया, जहां उन्होंने हमारे निदेशक प्रो. डॉ. समीर सूद जी के साथ एक उपयोगी चर्चा की। चर्चा छात्रों की व्यस्तता बढ़ाने और निफ्ट समुदाय का समर्थन करने के लिए विभिन्न मार्गों के इर्द-गिर्द घूमती है, मुख्य रूप से इंटर्नशिप, कार्यशालाओं और लाइव परियोजनाओं के माध्यम से।उन्होंने योग्य छात्रों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा जो डेनिम और स्थिरता के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

विशेष रूप से, स्थिरता पहल को बढ़ावा देने, कपड़ा कचरे को चुनौती देने और डेनिम अनुसंधान में सहयोगी अवसरों की खोज पर पारस्परिक जोर दिया गया था। एक्सचेंज ने रणनीतिक साझेदारी और पहल के माध्यम से फैशन और कपड़ा उद्योग के भीतर शिक्षा, नवाचार और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आदान-प्रदान का समापन एक विचारशील भाव के साथ हुआ जब श्री विशाल चिरिपाल ने प्रो. डॉ. समीर सूद को जेम्स क्लियर द्वारा "एटॉमिक हैबिट्स" की एक प्रति भेंट की, जो शायद व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।बैठक के दौरान, प्रोफेसर डॉ. समीर सूद ने उन्हें दिल्ली में आगामी भारत टेक्स में आमंत्रित किया, जहां निफ्ट एक अकादमिक भागीदार के रूप में सेवा कर रहा है।बैठक में रणनीतिक साझेदारी और पहल के माध्यम से फैशन और कपड़ा उद्योग के भीतर शिक्षा, नवाचार और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए एक साझा दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया गया।

निफ्ट निदेशक जी का लेख प्रकाशन

प्रो. डॉ. समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर ने द अपैरल टाइम्स वॉल्यूम 20, अंक -4, जनवरी-फरवरी 2024 द्वारा प्रकाशित अपने हालिया लेख के माध्यम से डेनिम के विकास, स्थिरता और सांस्कृतिक महत्व की समृद्ध टेपेस्ट्री का पता लगाया, जिसका शीर्षक "उभरते डेनिम रुझानों की पेचीदगियों का अनावरण, सतत फैशन क्रांति, और डेनिम के इतिहास की कालातीत गूँज" ("Unveiling the Intricacies of Emerging Denim Trends, the Sustainable Fashion Revolution, and the Timeless Echoes of Denim's History") है।

इस विस्तृत अन्वेषण में, उन्होंने डेनिम के विकास, स्थिरता और सांस्कृतिक महत्व के समृद्ध टेपेस्ट्री को पार किया है। 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के वर्कवियर के मजबूत कपड़े से पैदा हुए डेनिम, युगों के माध्यम से विकसित हुए हैं, विद्रोह, काउंटरकल्चर और फैशन प्रयोग को मूर्त रूप देते हैं। तकनीकी क्रांतियों ने इसके उत्पादन को आकार दिया है, जिससे डेनिम सुलभ और विविध शैलियों के अनुकूल हो गया है। हालांकि, जैसा कि सामाजिक चेतना स्थिरता की ओर झुकती है, डेनिम कथा एक गहन बदलाव से गुजरती है। सस्टेनेबल डेनिम ब्रांड अब चैंपियन कार्बनिक पदार्थ, रीसाइक्लिंग पहल और आपूर्ति श्रृंखलाओं में पारदर्शिता करते हैं, उद्योग के लोकाचार को नया आकार देते हैं। परिपत्र फैशन अर्थव्यवस्था डेनिम के भीतर उभर रही है, पारंपरिक रैखिक मॉडल को चुनौती दे रही है और दीर्घायु और संसाधनशीलता पर जोर दे रही है। उपभोक्ता जागरूकता पर्यावरण-जागरूक प्रथाओं की मांग को बढ़ावा देती है, एक ऐसे भविष्य को बढ़ावा देती है जहां डेनिम पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शैली का सामंजस्य स्थापित करता है, जो अनुकूलन, तकनीकी नवाचार और उपभोक्ता मानसिकता विकसित करने से प्रेरित होता है।

DENIM

BUSINESS NEWSLINE

Unveiling the Intricacies of Emerging Denim Trends, the Sustainable Fashion Revolution, and the Timeless Echoes of Denim's History

Prof. Dr. Sameer Sood, Director, NIFT Gandhinagar

IN the leadership of Prof. Dr. Sameer Sood NIFT Gandhinagar curated two prestigious G20 events, G20 Finance Meet – "VASHUDHAJAN" emphasizing sustainability and introducing a craft-centric Look Book. In addition, at the G20 Health Meet – "NIRAMAYPANTH" highlighted the richness of Indian culture while unveiling the Ayurvastram Look Book.

On behalf of NIFT Gandhinagar, Prof. Dr. Sameer Sood received the "Education Leadership Award" in 2023. His previous roles at NIFT include Professor at NIFT Campus Bhopal, where he played a vital role in establishing NIFT Bhopal as a center of excellence, and Joint Director (I/c) at NIFT Campus Bhopal, where he handled various administrative responsibilities.

Dr. Sameer Sood has a rich history of managing outreach programs, coordinating courses, and organizing events that promote design and skill development. His significant experience in the textile and garment industry, along with his academic achievements, showcases his contributions to both industry and academia. He is dedicated to guiding and mentoring students to help them make a meaningful impact in the apparel industry.

Dr. Sameer Sood is a visionary leader and Director of NIFT Gandhinagar Campus. He holds a PhD in "Social Compliance Procedures for Apparel Export in India" and an MBA in "Public Policy and Management" from MDI Gurgaon, along with a Post-Graduation in "Garment Management Technology" from NIFT.

With more than 19 years of industry experience in various roles, including product development, inventory management, retail, exports, and marketing, Dr. Sood is skilled in enhancing operational efficiency and cost savings. As Professor at NIFT, Dr. Sood actively contributes to academics and research, providing students with valuable insights and fostering critical thinking.

Currently serving as Director at NIFT Gandhinagar, he is also a Member of Boards at (a) Gujarat State Handloom & Handicraft Corporation Ltd., a Govt. of Gujarat undertaking and (b) Gujarat Rajya Khadi Gramodyog Board, a Statutory Board of Government of Gujarat. In his administrative roles at NIFT, he has had a significant impact on various projects and initiatives.

Introduction:

In the rich tapestry of fashion, denim serves as an enduring thread, intertwining with the epochs of style evolution. However, as societal consciousness tilts towards sustainability, the denim narrative is undergoing a profound metamorphosis. This detailed exploration delves deep into the dynamic interplay of emerging denim trends, the burgeoning landscape of sustainable fashion, and the timeless echoes of denim's rich history.

I. The Origins:

Denim's roots delve into the late 19th century when sturdy cotton twill fabric, known as "serge de Nîmes," was transformed into durable workwear. Levi Strauss, a name synonymous with denim, introduced riveted jeans in the 1870s, laying the foundation for a garment that would transcend its utilitarian roots. Denim became synonymous with durability, a fabric woven into the fabric of American work culture.

निफ्ट निदेशक जी का लेख प्रकाशन

इस कायापलट में, डेनिम नवाचार और स्थिरता के धागे के साथ बुने हुए भविष्य को गले लगाते हुए अपनी कालातीत गूँज को बरकरार रखता है। वैश्विक प्रभाव डेनिम शैलियों को समृद्ध करते हैं, क्रॉस-सांस्कृतिक गतिशीलता को दर्शाते हैं, जबकि भविष्य एक ऐसे परिदृश्य का वादा करता है जहां फैशन और पर्यावरण-मित्रता मूल रूप से मिलती है। डेनिम कथा अनुकूलन और विकास की कहानी के रूप में सामने आती है, जहां प्रत्येक सिलाई परंपरा और प्रगति के बीच नाजुक संतुलन का प्रतीक है।

जैसा कि उद्योग जागरूक प्रथाओं की ओर अपना पाठ्यक्रम तैयार करता है, डेनिम का भविष्य इशारा करता है - एक ऐसा भविष्य जहां नवाचार, शैली और पर्यावरणीय नेतृत्व एक कथा को तैयार करने के लिए आपस में जुड़ते हैं जो डेनिम के मंजिला इतिहास की स्थायी भावना को प्रतिध्वनित करता है।

BUSINESS NEWSLINE

DENIM

Dirty Wash trend In Denim

Denim Skirts
Source - https://denimdudes.co

8. The Future of Denim:

Peering into the crystal ball, the future of denim embodies a harmonious fusion of style and sustainability. As innovation propels the industry forward, the delicate balance between fashion-forward designs and eco-friendly practices becomes paramount. The future promises a denim landscape that not only showcases the artistry of fashion but does so with a profound sense of environmental responsibility. Customization, technology-driven sustainability, and an evolving consumer mindset are set to shape the denim narrative in the years to come, echoing the spirit of adaptation and evolution ingrained in denim's historical tapestry.

Source - https://www.the-spin-off.com

Conclusion:

In the grand narrative of fashion, denim stands as an enduring protagonist, resilient to the ever-shifting tides of trends. Yet, the contemporary saga is one of metamorphosis, where style and sustainability intertwine intricately. As the industry charts a course towards a more conscious and eco-friendly approach, the future of denim beckons—a future where each thread contributes to a tapestry woven with the delicate precision of innovation, style, and unwavering environmental stewardship, echoing the timeless spirit of denim's storied history.

BUSINESS NEWSLINE

DENIM

3. Technological Revolutions:

Denim's history is entwined with technological advancements that revolutionized manufacturing processes. The mid-20th century saw the introduction of synthetic indigo dyes, stone washing, and pre-shrinking techniques, making denim more accessible and adaptable to diverse styles. These innovations not only enhanced the aesthetics but also paved the way for the mass appeal of denim across different demographics.

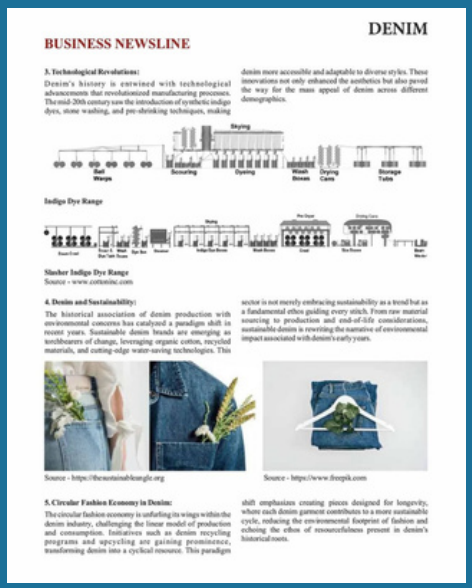

Indigo Dye Range

Slasher Indigo Dye Range
Source - www.cottoninc.com

4. Denim and Sustainability:

The historical association of denim production with environmental concerns has catalyzed a paradigm shift in recent years. Sustainable denim brands are emerging as torchbearers of change, leveraging organic cotton, recycled materials, and cutting-edge water-saving technologies. This sector is not merely embracing sustainability as a trend but as a fundamental ethos guiding every stitch. From raw material sourcing to production and end-of-life considerations, sustainable denim is rewriting the narrative of environmental impact associated with denim's early years.

Source - https://thesustainableangle.org

Source - https://www.freepik.com

5. Circular Fashion Economy in Denim:

The circular fashion economy is unfurling its wings within the denim industry, challenging the linear model of production and consumption. Initiatives such as denim recycling programs and upcycling are gaining prominence, transforming denim into a cyclical resource. This paradigm shift emphasizes creating pieces designed for longevity, where each denim garment contributes to a more sustainable cycle, reducing the environmental footprint of fashion and echoing the ethos of resourcefulness present in denim's historical roots.

BUSINESS NEWSLINE

DENIM

Farmers wearing denim jeans in the 1930's.
Source - https://www.hawthornintl.com/history-of-denim#

2. Evolution through Eras:

Denim's journey involves a transformative evolution through various eras, reflecting the spirit of each period. From its association with rebellion in the 1950s to the symbol of counterculture in the 1960s, denim became a canvas for self-expression. The 1980s brought designer denim into the limelight, and the 1990s witnessed the rise of distressed denim and experimentation with washes. Each era left an indelible mark on denim, shaping its identity and cultural significance.

Mother and two children buying tickets to a movie matinee, 1950s. Alamy

A hitchhiker and his dog "Tripper" wait on U.S. Route 66 where it crosses the Colorado River at Topock, Arizona, 1972. Library of Congress

Pleated acid-washed jeans, 1980s.

Levi-Strauss-Company – 1873
Source - https://www.pbs.org

BUSINESS NEWSLINE

DENIM

Recycling denim process from fabric to yarn Palais de Leau 2020
Source - https://www.researchgate.net

Source - siriwannapatphotos

6. Consumer Awareness, Ethical Fashion, and Denim:

Empowered by a wealth of information, consumers are steering the wheel towards sustainable denim. The rise of consumer awareness corresponds with a demand for transparency in supply chains. Informed choices are transforming shopping behaviors, nudging brands towards greater accountability, ethical sourcing, and eco-conscious practices. Brands embracing transparency not only build trust but also cater to a growing market of environmentally conscious consumers who appreciate the longevity and heritage embodied in denim.

Source - https://www.freepik.com

Source - https://cdn.shopify.com

7. Global Influences on Denim Trends:

Denim trends transcend geographical boundaries, influenced by cultural shifts, socio-economic dynamics, and global events. The diversity of fashion markets worldwide enriches the tapestry of denim styles, reflecting the dynamic nature of an industry that is truly global in its influences. Local interpretations of denim trends contribute to a rich and varied global denim landscape, showcasing the adaptability of this timeless fabric and echoing the cross-cultural influences present in denim's historical journey.

Yellow tint in denim

निफ्ट गांधीनगर में खेल और साहित्यिक क्लबों के लिए साक्षात्कार

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी निफ्ट गांधीनगर में खेल और साहित्यिक क्लबों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया गया। इस साक्षात्कार में विभिन्न छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया एवं अपनी-अपनी प्रतिभा का परिचय निर्णायक समूह के समक्ष प्रस्तुत किये , यह पूरा आयोजन निफ्ट निदेशक जी के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ।

चरखा प्रशिक्षण शिविर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चरखा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया , इस आयोजन का उद्घाटन केवीआईसी के अध्यक्ष माननीय श्री मनोज कुमार जी के कर कमलों द्वारा किया गया , इस आयोजन में परिसर के छात्रों ने बड़े उत्साह से भाग लिया एवं आयोजन को सफल बनाया।

भारत टेक्स 2024 कार्यक्रम

निफ्ट गांधीनगर ने नई दिल्ली में "द भारत टेक्स 2024" कार्यक्रम में भाग लिया, जिसने भारतीय कपड़ा क्षेत्र का जश्न मनाने के लिए 3,500 प्रदर्शकों, 3,000 खरीदारों और 100 देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ खरीदा।

Bharat Tex 2024 में क्या हुआ इसकी एक झलक यहां दी गई है:

भारत के विविध वस्त्रों का प्रदर्शन:

प्रदर्शनी पारंपरिक शिल्प से लेकर आधुनिक तकनीकी वस्त्रों तक भारत के कपड़ा परिदृश्य का व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती है। फैशन शो, उद्योग चर्चाओं और स्थिरता पहलों की विशेषता, यह भारतीय वस्त्रों के भविष्य में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

प्रसिद्ध ब्रांडों के साथ वैश्विक सहयोग:

कोच, टॉमी हिलफिगर और एच एंड एम जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ब्रांड भारतीय कपड़ा समूहों और संगठनों के साथ सहयोग कर रहे हैं। यह आयोजन वैश्विक कपड़ा उद्योग में कनेक्शन बनाने पर जोर देता है।

इनोवेशन केंद्र स्तर पर ले जा रहा है: "टेक्सटाइल्स ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज" उद्योग में स्थायी प्रथाओं के लिए अभिनव समाधान चाहता है। स्केलेबिलिटी और प्रतिकृति को प्राथमिकता देते हुए, इस पहल का उद्देश्य टिकाऊ कपड़ा नवाचारों को आगे बढ़ाना है।

भारतीय विनिर्माण को बढ़ावा देना: इस कार्यक्रम में 46 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी, कपड़ा क्षेत्र में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना शामिल है। यह भारत में विनिर्माण बढ़ाने के लिए सरकार की "पीएलआई" योजना के साथ संरेखित है।

चुनौतियों और समाधानों को संबोधित करना: माननीय मंत्री श्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में, कपड़ा मंत्रालय चिंताओं को दूर करने के लिए उद्योग के हितधारकों के साथ संलग्न है। टैरिफ़ मुद्दों से लेकर पीएलआई योजना का विस्तार करने तक, भारत के कपड़ा उद्योग को मजबूत करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं।

भारत टेक्स 2024 कार्यक्रम

इसके अलावा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस पर प्रकाश डाला:

- वैश्विक सम्मेलन और पैनल चर्चाओं ने उद्योग की चुनौतियों और भारत की ताकत पर चर्चा करने वाले 350 वक्ताओं की मेजबानी की।
- इंडी-हाट में पारंपरिक हस्तशिल्प के साथ-साथ पानीपत, तिरुपुर और सूरत जैसे कपड़ा केंद्रों का महत्व।
- भारत के लिए उनका दृष्टिकोण एक प्रमुख कपड़ा निर्यात केंद्र बनना है, जो उद्योग को नवाचार और निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस आयोजन ने कपड़ा उद्योग के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित किया।

भारत टेक्स 2024 कार्यक्रम

निफ्ट गांधीनगर ने नई दिल्ली में "द भारत टेक्स 2024",मेघ टेक्सटाइल एक्सपो में भाग लिया, जो नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।डॉ. समीर सूद के सम्मानित मार्गदर्शन में, निफ्ट गांधीनगर के निदेशक संकाय सदस्यों और छात्रों ने मेडिकल टेक्सटाइल में सहयोग के लिए संभावित अवसरों का पता लगाने के लिए मेडिकल टेक्स में विशेषज्ञता रखने वाले एक प्रमुख वर्दी निर्माता और आपूर्तिकर्ता मेसर्स लिनटेक्स का दौरा किया।चिकित्सा वस्त्र स्वास्थ्य देखभाल संदर्भों के भीतर नियोजित कपड़ों की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें घाव की देखभाल, सर्जिकल हस्तक्षेप, रोगी स्वच्छता और चिकित्सीय हस्तक्षेप शामिल हैं। इन वस्त्रों को बाधा संरक्षण, नमी विनियमन, जैव-अनुकूलता और सेंसर एकीकरण जैसी विशिष्ट कार्यात्मकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक इंजीनियर किया जाता है, रोगी के परिणामों में काफी सुधार होता है और स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं को बढ़ाया जाता है। स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सा वस्त्रों के दायरे में विविध उत्पाद और अनुप्रयोग शामिल हैं जो विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसमें परिष्कृत चिकित्सा प्रौद्योगिकी समाधान से लेकर आवश्यक वर्दी और रोगी वस्त्र शामिल हैं।मेसर्स लिंटटेक्स, एक अग्रणी वर्दी निर्माता और चिकित्सा वस्त्रों में विशेषज्ञता वाला आपूर्तिकर्ता, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए विभिन्न उत्पादों का उत्पादन और वितरण करता है, जिसमें प्रीमियम गुणवत्ता वाली चिकित्सा वर्दी और सर्जिकल गाउन, अस्पताल की वर्दी, लैब कोट, स्क्रब आदि जैसे पहनने योग्य शामिल हैं। निफ्ट गांधीनगर स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सा वस्त्रों के बहुमुखी महत्व को पहचानने में उद्योग का पूरी तरह से समर्थन करेगा, रोगी देखभाल को बढ़ाने और स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं को आगे बढ़ाने में उनकी अनिवार्य भूमिका पर जोर देगा।

निफ्ट का विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर ने 1983 में स्थापित एक स्वायत्त संस्थान - भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से एक साझेदारी को औपचारिक रूप दिया और आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, आईएफसीआई लिमिटेड, आईसीआईसीआई लिमिटेड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसी प्रमुख वित्तीय संस्थाओं द्वारा समर्थित है। यह साझेदारी सहयोग, ज्ञान विनिमय, उद्यमशीलता को बढ़ाने, छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करने, व्याख्यान, कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन करने और फैशन शिक्षा और अनुसंधान के भीतर अकादमिक संसाधनों और प्रकाशनों को साझा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्याशित परिणाम में उद्यमिता और डिजाइन में छात्रों के लिए सीखने के अवसरों को बढ़ाया और संयुक्त सम्मेलनों, अनुसंधान कार्यशालाओं और ज्ञान विनिमय को बढ़ावा देना शामिल है। यह सहयोग तीन वर्षों तक फैला है और इसे एक गैर-वित्तीय समझौते के रूप में संरचित किया गया है, जो एनआईएफटी गांधीनगर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के बीच बौद्धिक संपदा के समान 50:50 साझाकरण अनुपात की विशेषता है।

निफ्ट का विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

इस रणनीतिक गठबंधन के माध्यम से, दोनों संस्थानों का लक्ष्य अपने संबंधित क्षेत्रों के भीतर नवाचार, उत्कृष्टता और परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए नए रास्ते तैयार करना है। समझौता ज्ञापन पर एनआईएफटी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ समीर सूद और ईडीआईआई के परियोजना निदेशक डॉ राजेश गुप्ता ने श्रीमती तनु कश्यप, आईएएस, डीजी एनआईएफटी, डीन (ए) और अन्य कैंपस निदेशकों और एचओ के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

सीएनबीसी टीवी 18 द्वारा कवर की गई एक व्यावहारिक पैनल चर्चा

सीएनबीसी टीवी 18 द्वारा कवर की गई एक व्यावहारिक पैनल चर्चा के लिए हमसे जुड़ें, जहां उद्योग के नेताओं ने कपड़ा, फैशन और स्थिरता के धागे और फैशन और कपड़ा दुनिया के भविष्य को आकार देने वाले नवीनतम रुझानों और रणनीतियों की खोज की!
प्रो. डॉ. समीर सूद (@SAMEER.SOOD.395), निदेशक, निफ्ट गांधीनगर, सीएनबीसी स्टूडियो, नोएडा में भारत टेक्स 2024 को बढ़ावा देने के लिए आयोजित "सस्टेनेबिलिटी एंड टेक्सटाइल्स- द रोड अहेड" पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया। अन्य प्रतिष्ठित पैनलिस्टों में भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में संयुक्त सचिव प्राजक्ता वर्मा आईएएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्री उदेशी, भारत टेक्स के सह-अध्यक्ष भद्रेश दोधिया, केपीएमजी के पार्टनर श्री मोहित शामिल थे।

निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद (@sameer.सूद.395) ने सुझाव दिया कि हमने एक सभ्यता के रूप में दुनिया भर में पर्यावरणीय स्थिरता की अवधारणा का प्रसार किया है। वेद हमें सिखाते हैं कि ब्रह्मांड पांच मौलिक तत्वों से बना है: पृथ्वी (पृथ्वी), जल (जल), अग्नि (अग्नि), वायु (वायु), और आकाश (आकाश)। संतुलित और टिकाऊ पर्यावरण बनाए रखने के लिए ये तत्व अपरिहार्य हैं। दरअसल, वेदों का केंद्रीय संदेश पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व के इर्द-गिर्द घूमता है।
इस व्यावहारिक चर्चा से पता चला कि फैशन उद्योग अधिक जिम्मेदार स्थिरता प्रथाओं को गले लगाने के लिए कैसे विकसित हो रहा है और फैशन के भविष्य के लिए उनका क्या मतलब है।